Page No.
Date

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.

हिंदी विभाग

शै. वर्ष 2020-21

भाषा विज्ञान.

प्रोजेक्ट विषय :- भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध

अ.नं.	छात्रों के नाम	रोल नंबर	हस्ताक्षर
१.	प्रियांका राजू माने.	५५३५	Priyanka
२.	आसिफ बाबासाहेब मुल्ला.	५५३६	Asif
३.	शाहरुख शौकत मुल्ला.	५५३७	Shahrukh
४.	स्नेहा दत्तात्रय निर्मळे.	५५३८	Snehal Nirmale
५.	अनिल नातोबा पाटील.	५५३९	A.T. Patil

मार्गदर्शक	हिंदी विभाध्यक्ष	प्राचार्य.
डॉ. दीपक तुपे	डॉ. प्र. एस. महात.	डॉ. आर. आर. कुंभार.

VIVEKANAND COLLEGE * KOLHAPUR 416003 * ESTD JUNE 1964

ABS

Page No.
Date

अनुक्रमणिका

अ.क्र.	शीर्षक	पृष्ठ क्र.	हस्ताक्षर
१.	प्रस्तावना	1	
२.	उद्देश	2	
३.	[redacted] भाषा विज्ञान का परिचय	3 - 4	
४.	भाषा विज्ञान - भाषा विज्ञानों का अन्य विज्ञानों से संबंध	4 - 9	
५.	निष्कर्ष	10	
६.	संदर्भसूची	11	
७.	प्रमाणपत्र	12	

ABS

प्रस्तावना

ज्ञान एक अखण्डीत धारा है। तत्व: इस अखण्डीत ज्ञान धारा के अलग-अलग शास्त्रो तथा विज्ञानों में इस प्रकार विभाजित नहीं किया जा सकता कि वे शास्त्रो तथा विज्ञान एक दुसरे से संपुर्णत: अलग है। केवल अध्ययन की सुविधा के लिए अखण्डीत ज्ञान को हमने अलग-अलग विज्ञानों में विभाजित करने का प्रयास किया है। एक ही ज्ञान के अंश होने के कारण सभी ज्ञान विज्ञान की शाखाए किसी-न-किसी रुप में एक दुसरे से संबंधित है।

भाषा विज्ञान का तात्विक ज्ञान प्राप्त करने केलिए तो दुसरी ओर कुछ तथ्यो के ज्ञान वास्तव ज्ञान केलिए ये भाषा विज्ञान का आश्रय लेते है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। समाज में रहकर वह परस्पर विचार-विनिमय करना चाहता है। आत्मभिव्यक्ति की यह इच्छा मनुष्य की स्वाभाविक इच्छा है। अपनी बात जहाँ वह दुसरो से कहना चाहता है, वहीं दूसरों के विचारो को ग्रहण भी करना है। अर्थात जिस प्रकार मनुष्य अपने विचारों या विचार दुसरों से सुनना चाहता है, उसी प्रकार दूसरों के विचार सुनाना भी चाहता है। आत्माभिव्यक्ति की इस इच्छा (Desire of self expresion) ने भाषा को जन्म दिया है। मनुष्य के विचार-विनिमय, विनिमय के अनेक साधनों में 'भाषा' एक महत्वपूर्ण साधन है।

Page No.
Date

उद्देश

भाषा विज्ञान और भौगोलिक परिस्थितीयों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। मानव जाति के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कर सकते है। भाषा विज्ञान और समाज व्यवस्था का महत्व और उपयोगिता समझने मे समर्थ होंगे। मनोविज्ञान के साथ संबंध जान सकेंगे और विविध साहित्य विज्ञानो के अंगो से परिचित हो सकेंगे व्याकरण का महत्व उपयोगिता और आंतरिक संबंध समझने समर्थ होंगे।

भाषा विज्ञान की दृष्टी से भाषा की सार्थक परिभाषा को जान सकेंगे।

Page No.
Date

भाषा विज्ञान परिभाषा और परिचय

परिभाषा

- भारतीय विद्वानों द्वारा दी गई भाषा की परिभाषाएँ :

1. पं. कामता प्रसाद गुरु : "भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार दूसरों पर भली-भाँति प्रकट कर सकता है। और दुसरों के विचार आप स्पष्टतया समझ सकता है।"

2. डॉ. कपिल देव द्विवेदी : "व्यक्तवाणी के रूप में जिसकी अभिव्यक्ति की जाती है, उसे भाषा कहते है।"

3. सुकुमार सेन : "अर्थवान कण्ठ से निःसृत (निकलनेवाली) ध्वनि समाविष्ट ही भाषा है।"

- पाश्चात्य विद्वानो द्वारा दी गई भाषा की परिभाषाएँ :

1. स्वीट : "ध्वन्यात्मक शब्दो द्वारा विचारो को प्रकट करना ही भाषा है।

2. ब्लॉक और ट्रेगर : "भाषा यादृच्छिक ध्वनि प्रतीकों की वह व्यवस्था है, जिससे एक समाजिक समूह परस्पर सहयोग करता है।"

ABS

परिचय

भाषा विज्ञान का प्रत्यक्ष संबंध भाषा से है और भाषा का संबंध मनुष्य से है। भाषा विज्ञान की प्रवृत्ती और प्रकृति का यथार्थ दर्पण है। भाषा मानव जीवन का अभिन्न अंग है। अत: मानव जीवन से संबंधित विज्ञानों और शास्त्रो से भी भाषा विज्ञान का घनिष्ठ संबंध है। जिस प्रकार समाज का एक व्यक्ति अनेक रूपो से संबंध होता है। उसी प्रकार भाषा विज्ञान की अनेक शाखाएँ अन्य विज्ञानों से निकटतम संबंध रखती है। भावभिव्यक्ति के सभी साधनों को सभी भाषा मानने से उसके अर्थ में अतिव्याप्ती निर्माण होती है। भाषा शब्द को हम संकीर्ण अथवा संकुचित अर्थ मे भी प्रयुक्त करते है। शास्त्रीय दृष्टी से "भाषा" पर विचार करते समय हम ऊन सब को और संकेत जन्य की अभिव्यक्ती मनुष्य की वाग्यंद्रियो से निकली हो। भाषा वह साधन है, जिस के माध्यम से हम सोचते है तथा अपने विचार व्यक्त करते है।

भाषा विज्ञानों का अन्य विज्ञानों से संबंध

भाषा विज्ञानों का अन्य विज्ञानों से संबंध

1. भाषा विज्ञान और साहित्य

भाषा विज्ञान और साहित्य का चोली-दामन की तरह संबंध है। साहित्य में भाषा का चिर-संचित रूप प्राप्त होता है। भाषा-विज्ञान साहित्य के बिना साहित्य भाषा विज्ञानों के बिना आधुरा है। भाषा विज्ञान और साहित्य दोनों में भाषा महत्वपूर्ण तत्व है।

भाषा विज्ञान के दोन या दो प्रमुख अंग है। एक ऐतिहासिक और दुसरा तुलनात्मक भाषा-विज्ञान पूर्णतया साहित्यपर आधारित है। साहित्य प्रारंभिक, माध्यकालीन और वर्तमानकालीन तीनों रूपों को प्रस्तुत करता है। भाषा विज्ञान का जन्म ही संस्कृत, ग्रीक, लॅटिन, आदि भाषाओं के साहित्य के अध्ययन से ही हुआ है। साहित्य के द्वारा ही हमे ज्ञान होता है। किसी प्रकार वैदिक संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश एवं हिंदी आदि भाषाओं का ऐतिहसिक पुरी से विकास हुआ है। साहित्य के अभाव मेंकई प्राचीन भाषाएँ लुप्त हो गई है। साहित्य ही अर्थ-विज्ञान और अर्थ विकास का भंडार है। साहित्य और भाषा विज्ञान एक दुसरे पर उपकारक है। साहित्य भाषा के प्राचीन रूपो को सुरक्षित रखकर भाषा विज्ञान के अध्ययन केलिए उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करता है। एक भाषा का विद्वान अनेक भाषाओं से संबंधित होकर विभिन्न भाषाओं के साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकता है।

इससे स्पष्ट होता है की साहित्य भाषा-विज्ञान का उपकारक है तो भाषा विज्ञान भी साहित्य का उपकारी है।

Page No.
Date

भाषा विज्ञान और समाज विज्ञान

भाषा का व्यवहार व्यक्तियों अर्थात मनुष्यों के द्वारा किया जाता है। व्यक्ति समाज का मुख्य घटक है। व्यक्ती के आचार-विचार उसकी रुचियाँ, उसके व्यवहार उसे परिवार और समाज से संबंध विज्ञान के अंतर्गत समाविष्ट है। भाषा विचार - विनिमय का श्रेष्ठ साधन है। मनुष्य अपने भाव - भावनाओं का विचारों का आदान प्रदान भाषा द्वारा करता है। भाषा समाज की संपत्ति है वह समाज में रूप ग्रहण करती है। भाषामें रीति - रिवाज, शिष्टाचार आचार - विचार और व्यवहार के सैकडो शब्द है जिनकी व्याख्या समाज विज्ञान के ज्ञान से ही सरलता से हो सकती है।

समाज व्यवस्था में पद के साथ प्रतिष्ठा है आदर स्नेह है। अपनत्व के साथ शिष्टाचार है और इन सब दशाओं का बोध भाषा व्यवहार के साथ जुडा हुआ है। भाषा के द्वारा समाजकी उदारता और कंजुसी अथवा स्वार्थ का रूप स्पष्ट हो जाता है। समाज विज्ञान का क्षेत्र व्यापक है। इसी से स्पष्ट हो होता है की समाज विज्ञान और भाषा विज्ञान एक दुसरे पर आधारित है।

भाषा विज्ञान और मनोविज्ञान

भाषा विज्ञान में भाषा का अध्ययन किया जाता है। और मनोविज्ञान में मनुष्य के मन का अध्ययन किया जाता है।

भाषा विज्ञान के मूल में विचार का साधन मन है। अत: मनोविज्ञान विज्ञान का भाषा विज्ञान एवं भाषा घनिष्ठ संबंध है। इसके अतिरिक्त वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान तथा ध्वनि परिवर्तन में भी मनोविज्ञान बहुत सहायता करता है। भाषा की उत्पत्ती और प्रारंभिक रूप की जानकारी में भी मनोविज्ञान विशेष बाल मनोविज्ञान की कम सहायता नहीं करता। मनोविकृत व्यक्तीके मनोविश्लेषण में भाषा-विज्ञान पर्याप्त सहायता मिलती है। दोनो के इस घनिष्ठता संबंध के कारण ही भाषा-विज्ञान में मनोविज्ञान 'मनोभाषा विज्ञान' कहते है।

ABS

भाषा विज्ञान और इतिहास

भाषा विज्ञान और इतिहास का घनिष्ठ संबंध है। दोनो एक दुसरे के उपकारक है। भाषा-विज्ञान की सहयता से प्राचीन अभिलेखों-शिला लेख, सिक्को आदि का अध्ययन करके प्राचीन इतिहास के अज्ञान और अंधकारयुगीन इतिहास पर प्रकाश डाला जाता है।

अ. राजनीतिक इतिहास - किसी देश में किसी अन्य देश का राज्य होना और दोनो देशोके भाषा को प्रभावित करता है। राजनितीक इतिहास में हम हिंदी में अरबी, फारसी, अंग्रेजी, तुर्की और पोर्तुगाकीन आदि शब्दों के आगमन का इतिहास बता पे है।

ब. धार्मिक इतिहास - धर्म या संप्रदाय पर आश्रित इतिहास का भाषा संबंधी अनेक समस्याओ का उत्तर देता है। जैसे भारत में हिंदी उर्दु समस्या हिंदुओं की भाषा संस्कृत की बहुलता, मुस्लिम भाषा ओं मे अरबी, फारसी शब्दो के आधिकता आदि। भाषा विज्ञान के अध्यन सेही धर्म के प्राचीन रुप का ज्ञान होता है।

भाषा विज्ञान और भूगोल

भाषा विज्ञान का भूगोल से बहुत ही करीबी संबंध है। भोगोलिक परिस्थितियों का स्थानीय लोगों का भाषा पर काफी प्रभाव पडता है। भाषा के उच्चारण में उसकी वजह से विविधता आती है। शीत प्रधान देशों में शीत के कारण मुँह कम खोलने के अभ्यास से उच्चारणों में अस्पष्टता रहती है। लेकीन उष्ण देशो में सरलता ये मुँह खोलने के कारण उच्चारणों में अधिक स्पष्टता तथा ध्वनियों की अधिकता रहती है। इन ध्वनी-परिवर्तनी का ज्ञान भाषा विज्ञान के कारण हो सकता है। किसी स्थानों में एक भाषा का दुर तक प्रसार न होना भाषा में कम विकास होना या किसी स्थान में बोलियों का अधिक होना भी भोगोलिक स्थिती पर निर्भर करता है। पहाडी तथा जंगली लोगों में परस्पर संपर्क कम होने के कारण प्रायः भिन्न भिन्न बोलियों का विकास हो जाता है।

विज्ञान भी भूगोल की सहाय्यता करता है। जिस क्षेत्रमें जीव

Page No.
Date

जो वस्तु पैदा होती है, उसका नामकरण उसी के आधार पर किया जाता है। कश्मीर में केसर, नागपुर में अंगुर, रत्नागिर - हापुस आंबा. आदि बातों के का समाधान निकालने के लिए भूगोल भाषा विज्ञान की साहाय्यता होती है।

Page No.
Date

निष्कर्ष

भाषा-विज्ञान मानव द्वारा अविष्कृत विभिन्न शास्त्रों एवं विज्ञानों से अपने अध्ययन की सामग्री ग्रहण करता है और उन्हें प्रभावित करता है। और उन्हें प्रभावित करता है भाषा विज्ञान का सूक्ष्म से सूक्ष्मविज्ञान मनोविज्ञान से लेकर ठोस भौतिक विज्ञान तक से प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध आवश्यक है। इसका एक कारण है और वह यह कि भाषा मनुष्य की भाव अथवा विचाराभिव्यक्ति की शक्ति है। अतः भाषा को ही अध्ययन का विषय बनानेवाले भाषा विज्ञान का संबंध सभी विज्ञानों से होना स्वाभाविक है।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि मनुष्य जीवन से संबंधित सभी ज्ञान विज्ञानों का भाषा विज्ञान से संबंध होता है।

ABS

Page No.
Date

संदर्भसूची

- भाषाविज्ञान - बी.ए. भाग-3.

Page No. :
Date : / /

प्रमाणपत्र

हम शपथ पूर्वक घोषित करते हे की, प्रस्तुत प्रोजेक्ट लेखन कार्य हमारे खुद के प्रयत्नो का परिणाम हैं। हमारी जानकारी के अनुसार इस विषय पर अब तक स्वतंत्र रुप से कोई कार्य संपन्न नहीं हुआ हैं। यह प्रोजेक्ट हमारे विषय अध्यापकों के मार्गदर्शन तथा संदर्भ स्त्रोतों के आधार पर संपन्न हुआ हैं।

अ.न	छात्रो के नाम	रोल नंबर	हस्ताक्षर
१.	प्रियंका राजू माने.	५५३५	Priyanka
२.	आसिफ बाबासाहेब मुल्ला.	५५३६	
३.	शाहरुख शौकत मुल्ला.	५५३७	Shahrukh
४.	स्नेहा दत्तात्रय निर्मळे.	५५३८	Snimale
५.	अनिल तातोबा पाटील.	५५३९	

दिनांक -13-07-24
ठिकाण- कोल्हापुर